

स्थापित-1982

निबंधन सं.-385/83.84

# आरिपन

मैथिली नाट्य मंच, पटना



## स्मारिका

42म वार्षिकोत्सव समारोह

03 मार्च, 2024



## अभिनय : बाल रंगमंच आ व्यक्तित्व विकास

- सुमित कुमार ठाकुर

रंगमंच कला के अभ्यास स' की व्यक्तित्व विकास संभव अछि? यदि संभव अछि त' कोना? अहि विषय पर एकटा लघु आलेख अपने समक्ष प्रस्तुत क' रहल छी। बाल कलाकार आ आम इंसान के अभिनय मे रुचि लेला स' की व्यक्तित्व विकास संभव अछि? संभवतः एहि सभ प्रश्नक उत्तर हेतु ई लेख अपने सभक जिज्ञासा के पूर्ण करत ।

रंगमंच कला एकटा विशाल कला अछि जाहि मे समस्त प्रदर्शन कला के समाविष्ट कैल गेल अछि। नाट्य, नृत्य, नृत्, गायन, वादन आदि अनेक प्रदर्शन कला के रंगमंच मे अभ्यास कैल गेल रोहलया । भरत मुनि रचित नाट्यशास्त्र एकर प्रमाण अछि जाहि मे नाट्य कला के संदर्भ मे एकटा महत्वपूर्ण श्लोक भरत के नाट्यशास्त्र स' ल' क' एहि लेख मे शामिल क' रहल छी:-

न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला ।

नासौ योगो न तत्कर्मनाट्येऽस्मिन् यन्न दृश्यते ॥

अर्थ :

कोनो ज्ञान, कोनो शिल्प, कोनो विद्या, कोनो कला, कोनो योग आ कर्म एहन नहि अछि जे नाट्य मे अवलोकित नहि होति अछि । (नाट्यशास्त्र) अभिनय स' बाल रंगमंच आ हुनक व्यक्तित्व विकास मे अनेक संभावना देखल गेल । उदाहरण के रूप मे मैथिली रंगमंचक चर्चित नाट्य संस्थान भंगिमा के ठहाका 2022 आ 2023 मे हमर निर्देशन मे

डाकघर आ बफलू छत्ता कैल गेल। संयोगवश दुनू बरखक ठहाका मे लगभग राजीव नगर के एकहि टा बाल कलाकारक टीम हमर नाटक मे अभिनय केलनि । मुदा 2022 के ठहाका के सफलता मे 2023 के ठहाका मे हुनका सभक व्यक्तित्व विकास, बोलचाल, क्रियटिविटी, बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेसन, कन्फिडेंस, अनुशासन आदि मे बढ़ोतरी देखल गेल। एकर कारण अभिनय आ रंगमंच स' जुड़ाव भ' सकैत अछि। नीक आ बेजाए के समझ एहि उमर मे रंगमंच के माध्यम स' भेटनाइ कोनो उपलब्धि स' कम नहि मानल जा सकैत अछि। 2023 ठहाका मे बाल कलाकारक अभिनय त' उत्कृष्ट भेल मुदा कम संसाधन मे अपन क्रिएटिविटी के प्रयोग मे लेनाय सेहो हमरा देखल भेल । 2023 ठहाका के शो मे कोनो करणवश सेट मे किछु खगता रही गेल आ शो के दिन तक आश्वसन के बावजूद व्यस्तता के कारण नहि भेटल, तखन बाल कलाकारक टीम अपन आइडिया स' ओइ खगता के पूरा केलनि आ शो सफलतापूरक संपन्न भेल।

उपरोक्त उदाहरण देनाइ एहि लेल आवश्यक रहय कियैक अभिनय, रंगमंच आ व्यक्तित्व विकास मात्र बच्चा सभक लेल नहि आवश्यक छैक मुदा युवा वर्गक हेतु अति आवश्यक छैक। अभिनेता के उत्तम अभिनय हेतु ऐक्टर्स क्राफ्ट पर निरंतर काज करबाक अति आवश्यक छैक, जाहि स' व्यक्ति



अपन शारीरिक भाषा, भाव-भंगिमा, वाचन शैली आदि पर काज क' क' अपन व्यक्तित्व के उत्कृष्ट बना सकैत छथि । ताहि स' बाल कलाकार आ युवा पीढ़ी रंगमंच के माध्यम स' अपन संपूर्ण विकास क' सकैत छथि । बाल रंगमंचक माध्यम स' बच्चा सभ अपन मैथिली आ कोनो अन्य भाषा के शुद्ध बजनाइ, सुननाइ, लिखनाइ, पढ़नाइ सन स्किल्स के विकास आराम स' क' सकैत छथि। संगे संगे कल्पनाशील आ नीक आ गलत के बुझनाइ संगे सही निर्णय लेबक क्षमता सेहो आसानी स' विकसीत कैल जा सकैय छैक।

ओना त' अभिनय, रंगमंच कला, आ व्यक्तित्व पर कतबो लिखब ओ अधुरे रोहता। तैं रंगमंच कला स' कोनो ने कोनो रूप स' जुड़ल रहू । एहि आशाक संग अंग्रेजी मे हमर लिखल एकटा स्लोगन स' ई लघु लेख के विराम दैत छी।

“लेट्स मेक ए रेवोलुशन इन एजुकेशन विथ थिएटर आर्ट्स एजुकेशन”

मंच अभिनेता, निर्देशक, रंगमंच कला प्रशिक्षक,  
पी.जी.डी.बी.ए-एम.बी.ए, एम.ए (ड्रामैटिक्स)  
पीएचडी रिसर्च स्कॉलर, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,  
सिक्किम पूर्ववर्ती छात्र



## बालक राम

- कमलेन्द्र झा 'कमल'

एगो बात कहैत छी  
एकरा अन्यथा नहि लेब अहाँ सब  
ई जे बालक राम छथि ने  
हुनका हमरा पूजा करैक  
मोन नहि करैय  
आ नहि मंदिर मे  
स्थापित क  
दूर सँ प्रणाम करैक

हमरा त मोन करैय  
एहि बालक राम केँ  
अपना कोरा मे उठा ली  
हृदय सँ लगा ली  
आ दुलार मलार करैत  
कनी माथ सहला दी  
कनी गाल मे चुम्मा ल ली  
कनी तेल फूलेल सँ  
नीक सँ मालिस क दी  
आ उतारि दी  
दिन भरि क थकान

जेना अपना नेना सबहक  
उतारैत छलहुँ  
मालिश क केँ

हमरा त इहो मोन करैय  
कटोरी मे दूध रोटी गुड़ि केँ  
खुआबी हम अपनहि हाथ सँ  
आ अपना आँचर सँ  
मुँह पोछैत कही-जो आब खेला ग'  
धरि ओरिया के खेलिहँ  
कतहु कोनो अंग मे  
चोट नहि लागहु  
ई कहै मे  
हमरा कोनो संकोच  
नहि बुझना जाइये  
की एहि बालक राम केँ  
देखला उपरांत  
हमरा हृदय मे  
भक्ति भाव नहि  
मातृत्व भाव जगैत अछि।

